एम.आर.पी.-003

00015

# रेडियो प्रसारण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम
## ( पी.जी.डी.आर.पी. )

## सत्रांत परीक्षा

## जून, 2013

## एम.आर.पी.-003 : रेडियो लेखन

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

*नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर देने हैं। **सभी** प्रश्नों के **अंक समान** हैं।*

1. रेडियो कार्यक्रमों द्वारा शिक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? विस्तार से चर्चा करें। 20

**अथवा**

दूर शिक्षा प्रणाली और रेडियो संचार माध्यम किस प्रकार सहभागी हैं? उदाहरण सहित टिप्पणी कीजिए।

2. रेडियो पर प्रसारित जनसेवा सूचनाओं के विविध रूपों की चर्चा करें। 20

**अथवा**

नीचे कुछ समाचार दिए जा रहे हैं इनके महत्व को ध्यान में रखते हुए रेडियो के लिए 3 मिनट का समाचार बुलेटिन तैयार करें।

## वर्षा से बिहार में राहत, बाढ़ से संकट

बिहार में पिछले कई दिनों से रुक-रुक कर हो रही वर्षा से जहाँ गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिली है वही राज्य की कुछ प्रमुख नदियों के जलस्तर में अचानक वृद्धि हो जाने से निचले इलाकों में रह रहे लोगों पर बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो गया है और वे ऊँचे स्थानों की ओर पलायन करने लगे है।

राज्य में पिछले कुछ दिनों से हो रही झमाझम बारिश से लोगों को जहाँ गर्मी से निजात मिली है, वहीं राजधानी पटना समेत राज्य के कई स्थानों के कई प्रमुख शहरों के निचले इलाकों में जल जमाव के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इन इलाकों में वर्षा के कारण मुख्य मार्गों पर घुटनों तक पानी के जमा हो जाने से छोटे वाहनों को चलने में दिक्कत आ रही है।

यहाँ प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार भूतही बलान नदी का पानी रेल पटरी पर आ जाने से निर्मली और घोघरडीहा के बीच ट्रेनों का परिचालन आंशिक रूप से प्रभावित हुआ है वहीं कमला बलान नदी के जलस्तर में वृद्धि होने से झंझारपुर में रेल और सड़क पुल पर पानी का दबाव बढ़ गया है। बाढ़ के कारण निचले इलाकों के ग्रामीण तटबंधों और ऊँचे स्थानों पर ठिकाने की तलाश में लग गए है।

## बंगाल-झारखंड का संयुक्त अभियान

पश्चिम बंगाल पुलिस और झारखंड पुलिस ने यहाँ रविवार को हुई मुठभेड़ की घटना में शामिल माओवादी उग्रवादियों को पकड़ने के लिए संयुक्त रूप से व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है। माओवादियों के इस हमले में एक थाना प्रभारी अधिकारी मारा गया था और 12 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे।

एक बड़ी पुलिस टुकड़ी के साथ क्षेत्र में डेरा डाले पुलिस महानिदेशक, पश्चिमी क्षेत्र, गौतम मोहन चक्रवर्ती ने कहा कि 15 ग्रामीणों को पूछताछ के लिए पकड़ा गया है।

इस बीच, पश्चिमी बंगाल के मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने पुरलिया में पुलिस बलों पर माओवादियों के हमले को गंभीर घटना बताते हुए कहा है कि वह जरूरत पड़ने पर इस बारे में केन्द्र से बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त बल की जरूरत नहीं पड़ेगी।

**बिजली क्षेत्र में निवेशकों की रुचि फिर बढ़ी है - गीते**

बिजली मंत्री अनंत गीते ने कहा कि बिजली क्षेत्र में निजी निवेशकों की रुचि एक बार फिर जगी है तथा नए बिजली अधिनियम 2003 से यह क्षेत्र निवेशकों के लिए और आकर्षक होने जा रहा है।

गीते ने आज इसी संदर्भ में कहा कि वितरण क्षेत्र में सुधार के लिए सरकार द्वारा गठित कंपनी पावर ट्रेडिंग कार्पोरेशन ने पिछले छह माह में 1000 करोड़ रुपए का कारोबार किया इससे वर्तमान उत्पादन क्षमता का उपयोग बढ़ने का रास्ता खुला है वह यहां सीआईआई और पावर ट्रेडिंग कार्पोरेशन द्वारा नए बिजली काटून पर एक सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे।

**फॉलोऑन टालने के लिए 41 रनों की जरूरत**

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच का पांचवा दिन बेहद नाटकीय रहने की संभावना है क्योंकि भारत को फॉलोऑन से बचने के लिए 41 रनों की जरूरत है, जबकि उसके 4 विकेट

गिरना शेष हैं। चौथे दिन भारत ने 6 विकेट खोकर 390 रन जुटाए। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी 6 विकेट पर 630 रनों पर घोषित की थी। पांचवे दिन का आकर्षण वीवीएस लक्ष्मण का शतक हो सकता है, जो फिलहाल 86 रनों पर नाबाद हैं। लक्ष्मण का साथ दे रहे हैं अनिल कुंबले (1)।

यदि लक्ष्मण का शतक पूरा हो जाता है तो मोहाली के विकेट पर सैकड़ा जमाने वाले छठे बल्लेबाज बन जाएंगे। न्यूजीलैंड की ओर से रिचर्डसन 145, विंसेंट 109, स्टाइरिस 119 और मैकमिलन ने तथा भारत की ओर वीरेन्द्र सहवाग (130) शतकीय प्रहार जमा चुके हैं।

सुबह भारत ने 203/1 से आगे पारी शुरू की। नाबाद बल्लेबाज कप्तान द्रविड़ भी 13 रन का निजी स्कोर पर बुटलर का शिकार बने, जबकि सहवाग अपने पिछले स्कोर में केवल 2 रन जोड़कर 130 रनों के निजी स्कोर पर सहवाग ने 16 चौकों के अलावा 2 छक्के भी जमाए।

218 रनों पर तीन विकेट गिरने के बाद सचिन तेंडुलकर स्कोर को 330 तक ले गए। सचिन (55) का कीमती विकेट विटोरी की झोली में गया। स्थानीय हीरो युवराज सिंह (20) बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे, जबकि पार्थिव पटेल 18 रन ही बना सके। लक्ष्मण ने अपने बल्ले के आगे 'लक्ष्मण रेखा' खींच रही थी और यही कारण था कि वे दिन के अंत तक विकेट बचाए रखने में सफल रहे।

लक्ष्मण ने अपनी नाबाद 86 रनों की पारी में 226 गेंदों का सामना किया है और केवल 10 मर्तबा गेंद को सीमा रेखा का स्पर्श करवाया है। न्यूजीलैंड की ओर से विटोरी और टफी के हिस्से में दो-दो विकेट आए।

एक बात तो यह है कि कीवी कप्तान फ्लेमिंग को इसका मलाल जरूर हो रहा होगा कि उन्होंने 630 रनों पर पारी घोषित करने काफी देरी की, वरना मैच का परिणाम जरूर निकलता। (वेससे)

3. नारी सशक्तीकरण में रेडियो पर प्रसारित होने वाले महिला कार्यक्रमों का क्या महत्त्व है? 20

**अथवा**

युवा श्रोताओं के लिए रोजगार सम्बन्धी एक रेडियो कार्यक्रम तैयार करें। कार्यक्रम का शीर्षक व आलेख लिखें।

4. नाटक के रेडियो रूपांतरण की प्रक्रिया को विस्तार से समझायें। 20

**अथवा**

नीचे 'प्रेमचन्द' के उपन्यास 'निर्मला' का एक अंश दिया गया है, इसका रेडियो रूपान्तरण करें।

सन्ध्या का समय था, निर्मला छत पर जाकर अकेली बैठी आकाश की ओर तृषित नेत्रों से ताक रही थी। ऐसा मन होता था कि पंख होते, तो वह उड़ जाती और इन सारे झंझटों से छूट जाती। इस समय बहुधा दोनों बहने कहीं सैर करने जाया करती थीं। बग्घी खाली न होती, तो बगीचे ही में टहला करतीं। इसलिए कृष्णा उसे खोजती फिरती थी। जब कहीं न पाया, तो छत पर आयी और उसे देखते ही हंसकर बोली-तुम यहां आकर छिपी बैठी हो और मैं तुम्हें ढूंढती फिरती हूँ। चलो, बग्घी तैयार करा आयी हूँ।

निर्मला ने उदासीन भाव से कहा–तू जा, मैं न जाऊँगी।

कृष्णा–नहीं मेरी अच्छी दीदी, आज जरूर चलो। देखो, कैसी ठण्डी–ठण्डी हवा चल रही है।

निर्मला–मेरा मन नहीं चाहता, तू चली जा।

कृष्णा की आँखें डबडबा आयीं। कांपती हुई आवाज़ से बोली–आज तुम क्यों नहीं चलतीं? मुझसे क्यों नहीं बोलतीं? क्यों इधर–उधर छिपी–छिपी फिरती हो? मेरा जी अकेले बैठे–बैठे घबराता है। तुम न चलोगी, तो मैं भी न जाऊँगी। यहीं तुम्हारे साथ बैठी रहूँगी।

निर्मला–और जब मैं चली जाऊँगी, तब क्या करेगी? तब किसके साथ खेलेगी, किसके साथ घूमने जायेगी, बता?

कृष्णा–मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगी। अकेले मुझसे यहाँ न रहा जायेगा।

निर्मला मुस्कराकर बोली–तुझे अम्मा न जाने देंगी।

कृष्णा–तो मैं भी तुम्हें न जाने दूंगी। तुम अम्मा से कह क्यों नहीं देतीं कि मैं न जाऊँगी?

निर्मला–कह तो रही हूँ, कोई सुनता है?

कृष्णा–तो क्या यह तुम्हारा घर नहीं है?

निर्मला–नहीं, मेरा घर होता, तो कोई क्यों ज़बरदस्ती निकाल देता?

कृष्णा–इसी तरह किसी दिन मैं भी निकाल दी जाऊँगी?

निर्मला–और नहीं क्या तू बैठी रहेगी? हम लड़कियाँ हैं, हमारा घर कहीं नहीं होता।

कृष्णा–चन्दर भी निकाल दिया जायेगा?

निर्मला–चन्दर तो लड़का है, उसे कौन निकालेगा?

कृष्णा–तो लड़कियाँ बहुत खराब होती होंगी?

निर्मला–खराब न होतीं, तो घर से भगायी क्यों जातीं?

कृष्णा–चन्दर इतना बदमाश है, उसे कोई नहीं भगाता। हम–तुम तो कोई बदमाशी भी नहीं करतीं।

एकाएक चन्दर धम–धम करता हुआ छत पर आ पहुँचा और निर्मला को देखकर बोला–अच्छा! आप यहां बैठी हैं। ओहो! अब तो बाजे बजेंगे, दीदी दुल्हन बनेगी, पालकी पर चढ़ेगी, ? ओहो! ओहो!!

चन्दर का पूरा नाम चन्द्रभानु सिन्हा था। निर्मला से तीन साल छोटा और कृष्णा से दो साल बड़ा।

निर्मला–चन्दर, मुझे चिढ़ाओगे तो अभी जाकर अम्मा से कह दूंगी।

चन्द्र–तो चिढ़ती क्यों हो? तुम भी बाजे सुनना। ओ हो–हो! अब आप दुल्हन बनेंगी। क्यों किशनी, तू बाजे सुनेगी न? वैसे बाजे तूने कभी न सुने होंगे।

कृष्णा–क्या बैण्ड से भी अच्छे होंगे?

चन्द्र–हां–हां, बैण्ड से भी अच्छे, हजार गुने अच्छे, लाख गुने अच्छे। तुम जानो क्या? एक बैण्ड सुन लिया, तो समझने लगीं कि उससे अच्छे बाजे नहीं होते। बाजे बजाने वाले लाल–लाल वर्दियां और काली–काली टोपियां पहने होंगे। ऐसे खूबसूरत मालूम होंगे कि तुमसे क्या कहूँ! आतिशबाजियां भी होंगी, हवाइयां आसमान में उड़ जायेंगी और वह तारों में लगेंगी तो लाल, पीले, हरे, नीले तारे टूट–टूटकर गिरेंगे। बड़ा मज़ा आयेगा।

कृष्णा–और क्या–क्या होगा चन्दर, बता दे मेरे भैया ?

चन्द्र–मेरे साथ घूमने चल, तो रास्ते में सारी बातें बता दूं। ऐसे–ऐसे तमाशे होंगे कि देखकर तेरी आँखें खुल जायेंगी। हवा में उड़ती हुई परियां होंगी, सचमुच की परियां।

कृष्णा–अच्छा चलो, लेकिन न बताओगे, तो मारूंगी।

चन्द्रभानु और कृष्णा चले गये, पर निर्मला अकेली बैठी रह गयी। कृष्णा के चले जाने से इस समय उसे बड़ा क्षोभ हुआ। कृष्णा, जिसे वह प्राणों से भी अधिक प्यार करती थी, आज इतनी निष्ठुर हो गयी। अकेली छोड़कर चली गयी। बात कोई न थी, लेकिन दु:खी हृदय दुखती हुई आँख है, जिसमें हवा से भी पीड़ा होती है। निर्मला बड़ी देर तक बैठी रोती रही। भाई–बहन, माता–पिता, सभी इसी भांति मुझे भूल जायेंगे, सब की आँखें फिर जायेंगी, फिर शायद इन्हें देखने को भी तरस जाऊँ।

5. निम्न में से *किन्हीं* 2 पर चर्चा करें : **10x2=20**

(क) रेडियो कार्यक्रमों की विधाएं

(ख) रेडियो विज्ञापन के विविध रूप

(घ) बाल कार्यक्रम

(ग) न्यूज–रील